

प्रेषक,

डॉ० एम०सी० जोशी,,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,

ननूरखेडा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक)

देहरादून: दिनांक: 12 जनवरी, 2015

विषय: उत्तराखण्ड एजुकेशन पोर्टल वित्तीय वर्ष 2014-15 हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया अपने पत्र संख्या-एजु०पो०/17763/2014-15 दिनांक 16-12-2014 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के आयोजनागत पक्ष में संलग्नक-01 में उल्लिखित विवरणानुसार उत्तराखण्ड एजुकेशन पोर्ट के संचालन हेतु कुल रु० 17.00 लाख (रुपये सत्रह लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखने व निम्नलिखित शर्तों एवं प्रबिबन्धों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश सं० 318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18-03-2014 में वर्णित शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक की निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (4) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (5) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।

- (6) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जायें।
- (7) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (8) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

02- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

03- वित्त विभाग के शासनादेश सं0 318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18-03-2014 में दिये गये दिशा निर्देशों के क्रम में प्रशासकीय विभाग के स्तर से ही जारी किया जा रहा है।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(डॉ० एम०सी० जोशी)
सचिव।

सं० 46 /XXIV(1)/2014-22/2012 /तददिनांक।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
 02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
 03. मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
 04. महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, नूरखेड़ा देहरादून।
 05. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
 06. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
 07. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
 08. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
 09. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

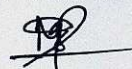
(महावीर सिंह चौहान)
उप सचिव।

शासनादेश सं०-46 /XXIV(1)/2014-22/2012 दिनांक-12-01-2015 का संलग्नक।

(धनराशि हजार रुपये में)

लेखाशीर्षक		आय-व्ययक 2014-15 में कुल प्राविधानित धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
अनुदान संख्या-11 (सामान्य) -आयोजनागत			
2202	सामान्य शिक्षा		
01	प्रारम्भिक शिक्षा		
800	अन्य व्यय		
07	एजुकेशन पोर्टल		
	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	1000	1000
	26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	600	600
	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर का क्रय	100	100
	योग-	1700	1700

(रुपये सत्रह लाख मात्र)



(महावीर सिंह चौहान)
उप सचिव